HR14-2-1-HI

सृष्टि से कदम ब कदम भाग 1

आज द जॉन एन्करबर्ग शो में, हम जवाब देगे उन्हें जिन्होंने विज्ञान के कारण अपना मसीही विश्वास छोड़ दिया, कही न कही उन्होंने मना कि सृष्टि के बारे में बाइबल की घटना आज के आधुनिक विज्ञान से मेल नही खाती है, लेकिन इस सीरिज में हम चर्चा करेगे कि हाल ही के वैज्ञानिक सबूत, आपको सच में प्रभु पर विश्वास करने पर ले आएँगे, आगे, हम इस सवाल का जवाब देगे, क्या हम अपेक्षा करे कि समहति पाएं, सृष्टि के लेख में और वचन के लेख में/

डा। वाल्टर कैसर: अवश्य ही होना चाहिए, क्योंकि ये एक ही लेखक है, याने जब हम देखते हैं एक बिल्डिंग जो एक आर्किटेक ने बनाई है और दूसरी बिलडिंग जो उसी आर्किटेक्ट ने बनाई है, तो कहते हैं ये फ्रेंक लोयेड राइट की बिलडिंग है/ और जब हम इस संसार को देखते हैं जो परमेश्वर ने बनाई है, ये उसने बनाई है, ये मेड इन यु एस ए नही है, लेकिन जीवित परमेश्वर ने बनाया है/ और जब हम वचनों को देखते हैं वो भी परमेश्वर से आया है, अब जब कि लेखक तो एक ही है जो अनुवादक दोनों को देखते हैं, शायद अनुवाद सहमत न हो लेकिन सबूत नही, और row data भी नही होता है/ row data तो उसी प्रभु की और से आता है, नही तो फिर, यदि हम सृष्टि के सिद्धात को दूर कर दे, यदि हम प्रेरणा को दूर कर दे, जो कि पूरा परमेश्वर का अद्भुत वचन है/ हम इन दोनों को दूर नही कर सकते हैं, ये तो जीवित परमेश्वर की ओर से आता है/

आज मेरे मेहमान हैं एस्ट्रोनॉमर डॉक्टर ह्यू रॉस, जिन्होंने एस्ट्रोनोमी में पीएचडी पाई है, यूनिवर्सिटी ऑफ टोरोंटो से/ और पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्च किया है, कैन टक ऑन कुअसर्स से/ ये बहुतसी किताबों के लेखक हैं, जिसमें इनकी नई किताब नाविगेटिंग जेनिसेस है, साथ ही हम हीब्रू विद्वान् डॉक्टर वाल्टर कायजर से सुनेगे, बहुत से लोग इन्हें संसार के बहुत ज्ञानी व्यक्ति मानते हैं/ पुराने नियम और हीब्रू भाषा में, हमारे साथ जुड़े और देखे कि कैसे आधुनिक वैज्ञानिक बातें सृष्टि की बाइबल की घटना से मिलती है, उत्पत्ति 1:1 और 2 में, इस विशेष प्रोग्राम द जॉन एन्करबर्ग शो में/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: प्रोग्राम में स्वागत है, आज महान प्रोग्राम है, हम चर्चा कर रहे हैं, इन तीन विषयों पर, नंबर एक संसार में कितने तारे हैं, रात के समय आप जो देखते हैं, वो कितने तारे हैं, आज आप इसे जानेगे, दूसरी बात पर हम चर्चा करेगे, सबसे मजबूत सबूत पर, जिस परमेश्वर ने संसार को बनाया और उसे फाइन ट्यून किया, इसे वैज्ञानिक डार्क एनर्जी कहते हैं और आज हम इस पर चर्चा करेगे, उत्पत्ति अध्याय 1, कितने समय से सृष्टि के ये 6 दिन याने

कुल सात दिन थे, जो उत्पत्ति अध्याय 1 और 2 के बिच समय था/ और आज अद्भुत विषय है और ह्यू चलिए पहले से शुरू करते हैं, जल्दी से बताइए इस समय संसार में कितने तारे हैं? /

डॉक्टर ह्यू रॉस: जी, जिस संसार को हम देख सकते हैं उस में 50 billion trillion तारे हैं/ हम ये जानते हैं, Hubble ultra deep field का धन्यवाद/ जो हमें सारे अस्तित्व के तारे और सबकुछ बताते हैं इस इतने कम समय में/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: ठीक है दोस्तों, सवाल ये है कि क्या इतने तारे जरूरी हैं या परमेश्वर ने ज्यादा ही बना दिए? और हम आपको एक क्लिप दिखाएगे कि क्या हो रही है, मैं चाहता हूँ कि आप इसे देखे/

जरनी टुवर्ड क्रिएशन से क्लिप/

हमारे milky way के कुछ दस हजार प्रकाश वर्ष से परे, हम एक halo को देखते हैं, जहाँ पर सबसे पुराने तारे हैं/ तारों की ये शुरू की पीढ़ी महत्वपूर्ण है, जीवन-उपयुक्त चीज के लिए/ ये प्राचीन तारे, एक तरह से, हमारे ग्रह को बनानेवाले हैं, अपने ही अस्तित्व के लिए, जैसे तारों का इंधन खत्म होकर वो मर जाते हैं, वो राख में बदल जाते हैं, जो अगली पीढ़ी के तारों और ग्रहों को बनाने के लिए heavy element चाहिए वो यही है/ हमारी पृथ्वी तो अस्तित्व में ही नही रहती जब तक कि 9 billion साल की राख और मरे हुए और मरनेवाले तारे न होते/

हमारे सूरज के आकर के तारे या इससे छोटे वो आगे अपना आकार धीरे धीरे खो देते हैं, जब उनके nuclear fuel supply खत्म हो जाता है/ तो केवल burnt out core ही रह जाता है जैसे आग के बाद cinder होता है/ ये cinder जिसे white dwarts कहते हैं इसे ठंडा होने के लिए 10 billion साल लगते हैं, और ये हमारे अस्तित्व में बेचिदा भूमिका निभाती है/ केवल special white dwarf binary तारे की सतह पर जीवन के लिए उपयुक्त पदार्थ fluorine बनाता है/ fluorine के बिना कुछ proteine बन नही सकते हैं/ और पृथ्वी पर का जीवन असंभव होता है/ इससे भी अद्भुत बात तो ये है कि सारे पुरे universe में लगभग एक trillion galaxy हैं/ हमारी galaxy, ये milky way तो बहुतों में से केवल एक है, जिसमे काफी fluorine production sites हैं/

जब हमारे सूरज से बड़े तारे का इंधन खत्म होता है/ तो दुसरे gas shells अचानक काम करना बंद करते हैं, core में जो crash होता है उसमे इतना momentum होता है की final eruption होता और इसका विस्फोट इतना ज्यादा होता है, की यदि ये हमारी galaxy में हो तो, तो ये दिन की रौशनी के जितनी तेज़ होती है/ ये final cataclysmic विस्फोट, एक super nova जीवन के लिए उपयुक्त बहुतसी चीजों को उत्पन्न करता है/ carbon, nitrogen, oxygen, phosphorus, potassium, sulfur, iron, copper, silver और

दुसरे बहुत से पदार्थ, ये उन्हें आस पास के interstellar neighbourhood में फैला देते हैं, जो बाद में तारे बनानेवाले gas और dust clouds द्वारा खींचे जाते हैं/

ये सब अलग अलग तरह के तारे और उनके जीवन और मृत्यु के सारे स्थर तो हमारी भलाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं/ और ये बर्बाद होना नही है, लेकिन 14 billion साल से तारों के बनने का हर एक मिनट हमारे ग्रह के अस्तित्व के लिए बहुत जरूरी है/ जिसके कारण जीवन के लिए उपयुक्त चीजे बनी रहती है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, ह्यू, ये चकित करनेवाला है, और बाइबल में, बाइबल का पहला वचन, ये दस शब्द तो बताते हैं जिसे हमने अभी देखा, अदि में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की रचना की, हम ये नही जानते थे, जब तक कि हालही में, और फिर भी आप कह रहे हैं कि तारों का बनाना और वो जिस तरह से फ्यूल जलाते हैं वो हमारे लिए बहुत जरूरी है, कि एक बार प्रभु मनुष्य को पृथ्वी पर रखता है, हमें बनाकर यहाँ रखता है, हमारे लिए जरूरी था कि ये सब हमारे लिए पहले से ही तैयार किया जाए/

डॉक्टर ह्यू रॉस: जी, 98 elements हैं जिन्हें हम periodic table में देखते हैं, इस पृथ्वी ग्रह पर अपने जीवन को आगे बढ़ने के लिए हमें उससे भी ज्यादा चाहिए, और universe का Total Mass निश्चित करता है कि पहले 4 मिनट में कौनसा element universe के अस्तित्व में आने पर होता/ और hydrogen और helium का वो सटीक ratio निश्चित करता है कि ये भविष्य में कौन से तारों को बनाएगा/ इसके लिए 3 पीढ़ी लगती है, एक के बाद एक पीढ़ी 3 पीढ़ी, तारे बनाने की क्रिया में कि जीवन के लिए उपयुक्त elements को बना सके/ उदाहरण के लिए, uranium और thorium, जो हमें super nova से मिलता है, ये महाद्वीप बनाने के लिए बहुत जरूरी होता है और इस कारण हमारे पास दोनों हैं, महासागर और महाद्वीप भी इस पृथ्वी पर हैं/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: इतने ज्यादा क्यों?

डॉक्टर ह्यू रॉस: इतने ज्यादा क्यों? जी, फिर से, total mass निश्चित करता है कि पहले 4 मिनट में कौन से elements का mix मिलेगा/ total mass साथ ही ये भी निश्चित करता है कि आनेवाले समय में universe कैसे बढ़ते जाएगा/ और ये जरूरी है कि तारे एक दुसरे निश्चित दूरी पर हो, इस समय की छोटी खडकी में जहाँ मनुष्य इस पृथ्वी पर अस्तित्व में हैं/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: बहुत ही अदभुत है, चलिए दुसरे में चले, वो है डार्क एनर्जी, ये तो संसार में जो फाइन ट्यूनिंग है उसका सबसे बड़ा सबूत है, इसका एक और बेचिदा भाग है, कि जीवन पृथ्वी पर कही भी हो, और ये दिखता है, कि प्रभु ने ये नियम निश्चित किए हैं, हमारे लाभ के

लिए, और सबसे पहले हम जरनी टुवर्ड क्रिएशन की क्लिप देखेगे, आपकी डॉक्यूमेंट्री मुवी से, दोस्तों इसे देखते हैं//

जरनी टुवर्ड क्रिएशन से क्लिप/

जब हम पृथ्वी से 6 या 7 billion प्रकाश वर्ष दूर जाते हैं, तो हम बहुत ही अद्भुत खोज को देखते हैं/ april 2000 में वैज्ञानिकों ने landmark study की रीपोर्ट publish की/ जिसमे उन्होंने ballon mounted telescope का उपयोग किया था/ Antarctica के ठंडे और स्थिर वातावरण में, कि universe के कुछ स्वभावगुणों को जांच सके/ जिसे boomerrang project के रूप में जाना जाता है/ south पोल का ठंडा और स्थिर तापमान वैज्ञानिकों की मदत करता है की वो पृथ्वी के विस्तार को सटीकता से नाप सके/ खासकर सृष्टि के निर्माण की घटना के 8 billion साल बाद, पृथ्वी का विस्तार धीमा हो रहा था, जैसे विस्फोट के बाद ये sharpnel हो रहा था/ लेकिन boomerang experiment बताता है की आखरी 6 billion साल के बाद पृथ्वी का विस्तार बढने लगा/

वैज्ञानिकों ने देखा है कि दो मुख्य बातें हैं जो cosmos के इतिहास में उसके बढने पर नियन्त्रण करते हैं/ mass density और space energy density, mass density जो पृथ्वी के अस्तित्व के पहले आधे भाग में अधिकार करती थी, वो कॉस्मिक expantion को धीमा करती है/ जब कि space energy density जो कॉस्मिक इतिहास के हाल ही के भागों पर अधिकार करती है/ वो इसे तेज़ करती है, ये बेचिदा संतुलन जिसमें fine tune किया गया है वो खोजा गया, यदि mass density एक भाग 10 to 60 भी कम होती, या space energy density एक भाग 10 to 120 भी कम होती/ तो पुरे universe में जीवन असंभव होता कही भी कभी भी/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: ह्यू ये पूरी तरह से अविश्वसनीय है, जैसे ये डार्क एनर्जी, वैसे तो ये बहुत है, और आपने कहा कि ये एक बहुत बुद्धिमान सृष्टिकर्ता की और दर्शाती है, कितना बुद्धिमान, इसके बारे में एक उदाहरण दीजिए/

डॉक्टर ह्यू रॉस: जी ये क्लिप space energy density के बारे में बता रही थी, जिसे आज हम dark energy कहते हैं, इसी से universe का एक तिहाई भाग बना है/ और ये energy तो universe के space surface पर होती है/ surface जितना बड़ा होता है, उतना ज्यादा dark energy का universe के विस्तार पर प्रभाव होता है/ यदि ये बहुत जल्दी बढ़ते जाता है, तो केवल gas होती और galaxy में कभी कोई तारे नही होगे, यदि ये बहुत धीमी बढ़ता है तो केवल black holes और neutron होगे/ दोनों तरफ से जीवन असंभव होता है/ और astronomer ने मुल्यांकन किया है की dark energy को fine tune करना होगा की वो 1 का भाग 10 to 120 से गुणित करने से बेहतर हो की इस संसार में जीवन संभव हो/

अब हम इस fine tune design के लिए सबसे उत्तम उदाहरण जो हम मनुष्य पा सकते हैं, और जो हमने देखा है इस gravity wave telescope से जिसका cal tech और mit फिजिसिस्ट ने अविष्कार किया है/ उसे design किया और हमारी सरकार ने इसे बनाया/ लेकिन हम dark energy में जो देखते हैं, ये तो ज्ञान और बुद्धिमत्ता की ऐसी बात है, जो 10 to 97 बार सुपीरियर होता है, उससे जो हम इस gravity wave telescope में देखते हैं/ और कम से कम ये इतना ज्यादा सामर्थी है/ दुसरे शब्दों में जिसने dark energy बनाई है तो 10 trillion trillion trillion trillion trillion trillion trillion गुना ज्यादा बुद्धिमान है उन cal tech और mit फिजिसिस्ट से ज्यादा बुद्धिमान है/ और कम से कम इतना ज्यादा फंड उसके पास है हमारी सरकार से बढकर/

मै सोचता हूँ कि आप मेरी बात समझ रहे हैं, बुद्धिमत्ता, ज्ञान, रचनात्मता और सामर्थ तो केवल के व्यक्ति के गुण होते हैं जो प्रकट हो सकता है/ याने परमेश्वर ने space और time से परे संसार को बनाया है, वो साथ ही एक व्यक्ति भी होगा, जो अपना व्यक्तित्व प्रकट करता है, उस हद से परे जो हम मनुष्य समझ सकते हैं/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: अब ये बहुत है बुध्दिमान सृष्टिकर्ता, वो मूसा को सरल जानकारी देता है, जो उत्पत्ति अध्याय 1 में है, और वो कहता है, आकाश और पृथ्वी की सृष्टि करने के बाद, 6 दिन में बनाया और 7 वे दिन विश्राम किया, सवाल उठता है, प्रभु का क्या अर्थ था, जब उसने कहा कि ये 1 दिन 2 दिन, 3 तीन, हमने चर्चा की थी जिसमे आप भी आए थे, उन के बिच जो ये कहते हैं कि बाइबल के ये दिन 24 घंटे के थे, और जो लोग कह रहे हैं ये तो बहुत लंबा समय था, और मैंने लीडिंग इवेंज्लिक्ल हीब्रू विद्वान् को, डॉक्टर वाल्टर कायजर से बिनती कि थी इस में जुड़ जाएं/ और जब ये सवाल उठाया गया, मैंने उन से पूछा कि याम शब्द का सच में क्या अर्थ है/ दोस्तों मैं चाहता हूँ कि आप इसे देखे/

विज्ञान और बाइबल का महान वाद विवाद से क्लिप

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: और डॉक्टर कायजर मैं आप से शुरू करना चाहता हूँ, दिन शब्द का अर्थ क्या है? उत्पत्ति अध्याय 1 और 2 में बाइबल सच में कहती है कि दिन 24 घंटे का था, या लंबा था/ या वो सच में सिखा रही है, कि दिन लंबा समय था/ आप एन आय वी बाइबल के एक अनुवादक हैं, और अपने हीब्रू सिखाया है, और आप 7 भाषाएँ जानते हैं, कम से कम पिछली बार मैंने गिना था, और इसलिए हमें बताईये, लेकिन सरल भाषा में बताईये कि मेरी माँ भी समझ सके, बाइबल दिन के बारे में क्या सिखाती है?

डा। वाल्टर कैसर: खैर जॉन, आप के साथ यहाँ पर आकर ख़ुशी हुई और आपके माँ से बात कर के खुश हूँ/ लेकिन ये सच में आपके सवाल का उत्तर देना बहुत अच्छा लगता है/ मतलब दिन शब्द का अर्थ क्या था, सामान्य बहस से केवल एक ही अर्थ मिलता है, जैसे लेखक कहते हैं, इस वचन

के सन्दर्भ में अवश्य ही उत्पत्ति में, वो यहाँ कम से कम 3 या 4 अलग तरीके से कहता है, दिन के लिए शब्द हिब्रू में याम है, जो किंग जेम्स बाइबल में 500 बार आया है/

और englishman's Hebrew Concordance के अनुसार 58 अलग तरीके से इसके बारे में बताया गया है/ इसका अर्थ अलग अलग नही है इसका सन्दर्भ तो राजा से है/ और इसलिए मैं सोचता हूँ कि इसकी और ध्यान देना चाहिए/ दिन वचन 5 तो दिन की रौशनी है, और दिन याने 4 थे दिन में याने जब परमेश्वर ने 24 के दिन बनाए थे/ उत्पत्ति 2:4 में यहाँ ये उसके खास उद्देश के लिए उपयोग करता है, जिस दिन प्रभू परमेश्वर ने सब बनाया, और से सारी सृष्टि की क्रिया को बताता है/ जो कि इस तरह से कहना होगा, कि इस इस व्यक्ति के प्रेसिडेंट रहते हुए, या अब्राहम लिंकन के दिनों में, याने इसका जवाब है कि इसे इसके संबंध में देखे रहे/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, याने आप ये क्यों कहते हैं कि प्रभु ये कह रहा है/ हमें सिखा रहा है कि समय बहुत लंबा था, यहाँ तीन पर्याय हैं/

डा। वाल्टर कैसर: जी मै सोचता हूँ कि हर एक को ध्यान से देखना चाहिए/ याने चर्च के शुरू के पिता और मध्य युग के पिता, वो इस बात के बारे में बहुत ही सावधान थे, जिसके बारे में बताया जाता है कि ये ज्यादा लम्बा समय होगा/ इसके लिए हमेशा अलग कारण रहा है, ओग्सटिन या अच्छा उच्चारण तो अगस्टिन होगा, लेकिन अगस्टिन के कहने के तरीके से, देखीए वो कह रहे थे, याने पहला दिन था, दूसरा दिन था, और तीसरा दिन था, इस 24 घंटे के दिन बनाने से पहले, और इसलिए हमें बहुत ही सावधान होना होगा, कि वहाँ लोग नही थे, तो उस समय वहाँ मनुष्य का दृष्टिकोण नही था/ अलौकिक दृष्टिकोण है, चाहे कुछ भी हो, astronot तो संसार के चक्कर और चक्कर कांटते रहते हैं/ और उनके दृष्टिकोण से वो बहुत सूर्योदय और सूर्यास्त देखते हैं, सुबह और शाम, सुबह और शाम, सुबह और शाम, सुबह और शाम, लेकिन अब परमेश्वर तो हमारे सोलर सिस्टम से थोडा आगे ही है

इसलिए इसे भी लेखे में रखना होगा/ ऐसा लगता है की बाइबल का लेख इस बात की और ध्यान नही देती है, कि यही असली बात है, जहाँ असली वचन इस तरह से कहता है, परमेश्वर जिसने सबकुछ बनाया, आदि में, बूम, परमेश्वर ने सच में सबकुछ बनाया, याने आधुनिक समाज में जिस विवाद में जुड़ना चाहिए वो ये है कि क्या कोई सटीक शुरुवात थी या उसके जैसे कोई थी, और बाइबल का ये वचन कहता है की ये सटीक था, और कुछ नही था, केवल परमेश्वर था, और उसने बनाया, उसने रचना की और इस तरह हम इसे देखते हैं/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: ह्यू ये बड़ी बहस थी, और हमने लोगों से कहा, इस सीरिज के समय भी, लेकिन डॉक्टर कायजर की बात सुनना अद्भुत था/ और जानते हैं उन्होंने अंत में कहा, पहली बात हमें इस वचन में बताना होगा, कि सृष्टि के लिए बहुत ही अच्छी शुरुवात थी, अब ये वैज्ञानिक दृष्टिकोण हो गया है, हालही में इस तरह से आया है, इस पर बताइए कि बाइबल और विज्ञान सहमत होता है कि ये शुरू हुआ है/

डॉक्टर ह्यू रॉस: बिलकुल, physics में space time theorems हैं, जो हमें बताते हैं कि universe की शुरुवात है, जिसमें space और time में शुरुवात है/ इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने universe बनाने से पहले, वो cosmic time से स्वतंत्र था/ याने उसके दृष्टिकोण से समय तो निश्चय ही हमारे दृष्टिकोण से अलग होगा/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: जी मुझे ये उदाहरण पसंद है, आप एस्ट्रोनॉट हैं, अब देखिए इसके बारे में खबरों में भी आने लगा है, और वो कह रहे हैं, कि 5-6 दिनों में वो इतनी तेजी से जाता है, तो उन के लिए पृथ्वी के लिए एक रिवोल्यूशन होगा और प्रभु उससे आगे है ये कहता है, उसका दृष्टिकोण क्या है, उसका समय क्या है, इससे सवाल उठता है, कि आप इन याम के बारे में क्या सोचते हैं, जो वचन में है, उनका संबंध उन से कैसे है जो आप एस्ट्रोनॉमी में देखते हैं, क्या विज्ञान और बाइबल इस बात पर सहमत है?

डॉक्टर ह्यू रॉस: जी, मैं हिब्रू विद्वान् नही हूँ लेकिन जब पहली बार उत्पति पढ़ा, वॉल्ट जैसे ही मैंने देखा कि दिन शब्द का उपयोग 3 अलग तरह से किया गया है/ और बाद में मुझे पता चला कि लम्बे समय के लिए जिस शब्द का उपयोग होता है वो शब्द तो याम है/ लेकिन ये बात मुझे सहमत करती है कि उत्पत्ति से पढ़ते हुए, ये जानना कि पहले 6 दिन में शाम हुई फिर सुबह हुई/ लेकिन सातवे दिन के लिए ऐसा नही था, और बाइबल में 3 जगह, भजन 95, युहन्ना 5, इब्रानियों 4 में ये हमें बताता है कि हम अभी भी परमेश्वर के सातवे दिन में हैं/ याने सातवा दिन अब तक खत्म नही हुआ/ एक और बात जिससे मैं सहमत हुआ कि हम उत्पत्ति 1 में देखते हैं, कि दोनों याने पुरुष मनुष्य और स्त्री मनुष्य तो 6 दिन बनाए गए/ लेकिन उत्पत्ति 2 में ये अवश्य ही बताता है कि कुछ समय का फर्क था, जब परमेश्वर ने आदम को बनाया और हव्वा को बनाया/ याने छटा और सातवा दिन तो लम्बा समय था/ लेकिन उत्पत्ति में जो व्याकरण उपयोग हुआ है ये बताता है कि सारे दिन लंबा समय होता है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: ह्यू विश्वासी होने से पहले, आपनेलगभग सब पवित्र किताबों को पढ़ा है, जो हम देखते हैं, और जब उसकी तुलना करते हैं, जो बाइबल कहती है, उससे बाइबल ही वो किताब है, जो इस तरह की जानकारी देती है, इसे बताईये/

डॉक्टर ह्यू रॉस: जी केवल एक ही है जो हमें बताती है कि परमेश्वर ने समय से आज़ाद होकर सबकुछ बनाया, समय से बाहर होकर, इसके बजाए कि उस समय में जहाँ वो अनंतकाल के लिए है/ और इसके साथ ही उत्पत्ति 1 में हम वैज्ञानिक records में देखते हैं कि सारी घटनाएँ क्रम में हुई हैं, time scale सही है और साथ ही fossil records का विवरण भी देता है/ हम मनुष्य के पहले नए प्राणियों को क्यों आते हुए देखते हैं और खासकर बाद में नही, 6 दिन में परमेश्वर ने रचना की और सातवे दिन उसने अपनी सृष्टि का काम रोक दिया/ बाकि सारे पवित्र किताबों में मैंने देखा,कि केवल एक में ही है जो प्रकृति की किताब की घोषणा के साथ सही fit होती है, कुछ भी हो बाइबल हमें बताती है, कि परमेश्वर खुद को दो तरह से प्रकट करता है/ प्रकृति की किताब और वचन की किताब के द्वारा, और ये बाइबल है जो ये सटीक fit बताती है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: अब दोस्तों आपने इस जानकारी का आनंद उठाया है, तो अगले हफ्ते जरुर जुड़ जाए क्योंकि बाइबल हमें ये बताती है उत्पत्ति अध्याय 1 और 2 में, आज जरुर जुड़ जाएं/

सवाल और जवाब

डॉक्टर रोस से जवाब

डॉक्टर रॉस, मल्टी वर्स या मल्टी यूनिवर्स का विचार हालही में बहुत ही विख्यात हुआ है, इसका वैज्ञानिक सबूत क्या है कि बहुत से यूनिवर्स इस समय अस्तित्व में हैं? परमेश्वर ने बनाए यूनिवर्स पर ये किस तरह प्रभाव डालता है?

डॉक्टर ह्यू रॉस: याने हम अपने विज्ञान में सीमित हैं कि केवल इसी के द्वारा संसार के बारे में केवल इसी के द्वारा जान सके/ और बाइबल से हम जानते हैं कि परमेश्वर ने दुसरे क्षेत्र बनाए, स्वर्गदूत तो हमारे क्षेत्र से अलग क्षेत्र में रहते हैं, याने कोई सवाल ही नही कि क्या हमारे संसार से बाहर और भी वास्तविकता है/ सवाल तो ये है कि परमेश्वर ने ऐसे कितने क्षेत्र बनाएं हैं, शायद उसने दो बनाएं, शायद हज़ार बनाए, शायद अगणित बनाए होगे/ मुझे याद है 1980 के शुरू में मैं लोगों को बताता था कि ये तो वैज्ञानिक सबूत के द्वारा सही है, कि बाइबल के परमेश्वर के बारे में ये इतना रोमांचित करनेवाला है, कि नास्तिक के पास कोई चुनाव नही है बस इसे मानना होगा/ खासकर कि अगणित संख्या में universe हैं, जिसमे सारे संभव गुण प्रकट होते हैं जिससे हम बने हैं/

और इस केस में हम बहस कर सकते हैं कि अवसर है, हम इस universe में रहते हैं और सारे गुण हर संभव तरीके से रखे कि जीवन संभव हो/ लेकिन एक बात तो है कि देखने से बहुत विवरण मिलता है/ यदि हम multi verse देखेगे, जिसमे परमेश्वर की रचनात्मकता को देखगे, तो यही multi verse का modle यही निष्कर्ष पर लाएगा कि हम में से बहुत से मनुष्य ने इस बुद्धिमत्ता को बनाया है/ मै इस बात पर बहस कर सकता हूँ कि सारे scientific paper जो stephen hawkins ने publish किए हैं वो केवल उनके मन से नही हैं, ये केवल multi verse से हैं और इसी ने ये किया है/ लेकिन नास्तिक जिस तरह से multi verse पर कहते हैं उसे परखा जा सकता है/

चलिए इसका उदाहरण बताऊँ, मैं सिक्के को उछल सकता हूँ/ 1 million बार, यदि सारे 1 million बार ये heads आता है, तो आप कहेगे कि heads आने के लिए बनाया गया है/ लेकिन यदि बहुत से सिक्के उछाले जाते हैं, तो संभावना का नियम हमें बताता है कि उन में से एक आपको 1 million बार heads आता है, लेकिन इस तरह से इसे परखा जाता है/ मुझे सिक्का दिखाइए, यदि दोनों तरफ heads हैं, तो मैं जनता हूँ कि tails पर शर्त न लगाए/ या

यदि मैं देखू कि सिक्का हमेशा heads आने के लिए बनाया गया है तो tails पर शर्त नही लगाऊंगा/

हम universe के साथ भी यही कर सकते हैं/ हम चुन सकते हैं कि विवरण के साथ इसका परिक्षण करे, जिस तरह से अब तक परखा है/ और इसे विवरण के साथ परखने से हम देखते हैं कि इसके design का सुबत तो मनुष्य की भलाई को ऊँचा उठाने के लिए है/ निचे के लिए नही, ये अद्भुत रूप में उपर जाता है , तो ये multi verse पर सवाल उठानेवाले नास्तिक के लिए यही जवाब होगा/

द जॉन एन्करबर्ग शो

पी ओ बॉक्स 8977

Chattanooga, TN 37414

जे ए शो डॉट ऑर्ग

001-423-892-7722

Copyright 2015 ATRI